

رُكُوعًا ۷

(۲۱) سُورَةُ الْاِنشَاءِ الْاَكْبَرِ (۷۳)

آيَاتُهَا ۱۲

और ७ रुकूअ हें सूरअे अम्बिया मक्का में नाजिल हुई ईस में ११२ आयतें हें

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

पण्डता हूं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

اِقْتَرَبَ لِلنَّاسِ حِسَابُهُمْ وَهُمْ فِي غَفْلَةٍ مُّعْرِضُونَ ۝

ई-सानों के लिये उन के हिसाब का वकत करीब आ गया, और वो गफ़लत में पड़े औराज कर रहे हैं.

مَا يَأْتِيهِمْ مِّنْ ذِكْرٍ مِّن رَّبِّهِمْ مُّحَدَّثٍ إِلَّا اسْتَمَعُوهُ ۝

उन के पास उन के रब की तरफ़ से कोई नई नसीहत नहीं आती मगर वो उधर कान लगाते हैं

وَهُمْ يَلْعَبُونَ ۝ لَاهِيَةً قُلُوبُهُمْ ۝ وَأَسْرُوا النَّجْوَى ۝

ईस डाल में के वो खेल रहे होते हैं. उन के दिल गाड़िल होते हैं. और वो जालिम युपके युपके

الَّذِينَ ظَمَرُوا ۝ هَلْ هَذَا إِلَّا بَشْرٌ مِّثْلَكُمۥ أَفَاتُونَ ۝

सरगोशी करते हैं के ये नहीं नहीं है मगर तुम जैसा अक ई-सान है. क्या फिर तुम जादू के पास

السَّحَرِ وَأَنْتُمْ تُبْصِرُونَ ۝ قُلْ رَبِّي يَعْلَمُ الْقَوْلَ ۝

जाते हो ईस डाल में के तुम आंभों से देख रहे हो? नहीं ने कडा के मेरा रब जानता है उर बात

فِي السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ ۝ وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ۝

जो आस्मान में और जमीन में है. और वो सुनने वाला है, जानने वाला है. बल्के उन-हों ने कडा के ये तो परेशान

بَلْ قَالُوا أَضْغَاثُ أَحْلَامٍ ۝ بَلْ افْتَرَاهُ بَلْ هُوَ

भयालात हैं, बल्के ये कुर्आन उस नहीं ने घड लिया है, बल्के वो तो शाईर है. ईस लिये उसे याहिये के

شَاعِرٌ ۝ فَلْيَأْتِنَا بِآيَةٍ ۝ كَمَا أُرْسِلَ الْأَوْلُونَ ۝

उमारे पास मोअजिजा ले आये जैसा पेडले पैगम्बर मोअजिजा दे कर भेजे गये थे.

مَا آمَنَتْ قَبْلَهُمْ مِّنْ قَرْيَةٍ أَهْلَكْنَاهَا ۝ أَفَهُمْ يُؤْمِنُونَ ۝

उन से पेडले कोई भस्ती ईमान नहीं लाई जिसे हम ने उलाक किया है. क्या फिर ये ईमान लाअेंगे?

وَمَا أَرْسَلْنَا قَبْلَكَ إِلَّا رِجَالًا نُّوْحِي إِلَيْهِمْ

और हम ने आप से पेडले रसूल नहीं भेजे मगर मर्दों को जिन की तरफ़ हम वही करते थे,

فَسَأَلُوا أَهْلَ الذِّكْرِ ۝ إِنْ كُنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ۝

ईस लिये तुम अडले किताब से पूछो अगर तुम जानते नहीं हो.

وَمَا جَعَلْنَاهُمْ جَسَدًا لَّا يَأْكُلُونَ الطَّعَامَ

और हम ने उन अम्बिया को ऐसा जिस्म नहीं बनाया के वो खाना न खाते हों और न

وَمَا كَانُوا خَالِدِينَ ۝۸ ثُمَّ صَدَقْنَاهُمُ الْوَعْدَ فَأَنْجَيْنَاهُمْ

वो हमेशा रहने वाले थे. फिर हम ने उन से वादा सच कर दिया, फिर हम ने उन को

وَمَنْ نَشَاءُ وَاهْلَكْنَا الْمُسْرِفِينَ ۝۹ لَقَدْ أَنْزَلْنَا

और जिन को हम ने यादा नजात दी और ज्यादा करने वालों को हम ने उलाक किया. यकीनन हम ने तुम्हारी

إِلَيْكُمْ كِتَابًا فِيهِ ذِكْرُكُمْ ۚ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ۝۱۰ وَكَمْ

तरफ़ किताब उतारी है, जिस में तुम्हारी नसीहत है. क्या फिर तुम अकल नहीं रहते? और कितनी बस्तियां

قَصَمْنَا مِنْ قَرْيَةٍ كَانَتْ ظَالِمَةً وَأَنْشَأْنَا

हम ने तबाह की जो जालिम थीं और हम ने उन के बाद दूसरी कौमों को पैदा किया.

بَعْدَهَا قَوْمًا آخَرِينَ ۝۱۱ فَلَمَّا أَحْسَبُوا بِأَسْنَاءِ

फिर जब उन्होंने ने हमारा अजाब महसूस किया तो झोरन वहां से वो भागने लगे.

إِذَا هُمْ مِنْهَا يَرْكُضُونَ ۚ لَّا تَرْكُضُوا وَارْجِعُوا إِلَىٰ

(तो हम ने कडा के) भागो मत, बल्के वापस जाओ उधर जिस में तुम अेश कर

مَا أَتْرَفْتُمْ فِيهِ وَمَسْكِنِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَسْأَلُونَ ۝۱۲ قَالُوا

रहे थे और अपने मकानात में, शायद तुम्हारी पूछ डो. वो केडने लगे डाय हमारी कमबप्ती!

يُؤَيَّلْنَا إِنَّا كُنَّا ظَالِمِينَ ۝۱۳ فَمَا زَالَتْ تِلْكَ

यकीनन हम डी कुसूरवार थे. फिर यही उन की पुकार रही यहां तक के हम ने उन को

دَعْوَاهُمْ حَتَّىٰ جَعَلْنَاهُمْ حَصِيدًا خُمِدِينَ ۝۱۴

कटा हुवा, बुजा हुवा बना दिया. और हम ने आस्मान और जमीन और उन

وَمَا خَلَقْنَا السَّمَاءَ وَالْأَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَا لِلْعَيْنِينَ ۝۱۵

थीजों को जो उन के दरमियान में हें भेल करते हुवे पैदा नहीं किया.

لَوْ أَرَدْنَا أَنْ نَتَّخِذَ لَهَوًا لَّاتَّخَذْنَاهُ مِنْ لَدُنَّا ۗ

अगर हम याडते के हिल भेडलाने के लिये कुछ बनाअें तो हमारे पास की थीजों (मलाठका, डूर) में से

إِنْ كُنَّا فَعَلِينَ ۝۱۶ بَلْ نَقْذِفُ بِالْحَقِّ عَلَىٰ

बनाते (न मसीह व मरयम को), अगर हमें अैसा करना डोता. बल्के हम डक को भातिल पर दे

الْبَاطِلِ فَيَدْمَغُهُ فَإِذَا هُوَ زَاهِقٌ ۖ وَلَكُمْ الْوَيْلُ

मारते हैं, फिर उक बातिल का सर कुयल देता है, फिर वो झैरन मिट जाता है. और तुम पर अइसोस है

مِمَّا تَصِفُونَ ﴿۱۸﴾ وَلَهُ مَنْ فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ

उन बातों से जो तुम बयान करते हो. और अल्लाह ही का है वो सभ जो आस्मान व जमीन में है.

وَمَنْ عِنْدَهُ لَا يَسْتَكْبِرُونَ عَنْ عِبَادَتِهِ

और वो इरिश्ते जो उस के पास हैं, वो अल्लाह की इबादत से तकब्बुर नही करते और

وَلَا يَسْتَحْسِرُونَ ﴿۱۹﴾ يُسَبِّحُونَ اللَّيْلَ وَالنَّهَارَ

न वो थकते हैं. वो तस्बीह करते रहेते हैं रात और दिन, सुस्ती नही करते.

لَا يَفْتُرُونَ ﴿۲۰﴾ أَمْ اتَّخَذُوا إِلَهًا مِّنَ الْأَرْضِ

क्या उनहों ने माबूह बना लिये हैं जमीन से जो मुर्दा जिन्दा कर सकते हैं?

هُمْ يُنْشِرُونَ ﴿۲۱﴾ لَوْ كَانَ فِيهَا إِلَهٌ إِلَّا اللَّهُ

अगर जमीन व आस्मान में कई माबूह होते अल्लाह के सिवा तो जमीन व आस्मान

لَفَسَدَتَا ۖ فَسُبْحَانَ اللَّهِ رَبِّ الْعَرْشِ

जइर तबाह हो जाते. फिर पाक है अल्लाह, जो अर्श का रब है, उन बातों से जो वो केह रहे हैं.

عَمَّا يَصِفُونَ ﴿۲۲﴾ لَا يُسْأَلُ عَمَّا يَفْعَلُ وَهُمْ يُسْأَلُونَ ﴿۲۳﴾

उस से सवाल नही किया जा सकता उन बातों के मुतअद्लिक जो वो करता है, बल्के उन से सवाल किया जायेगा.

أَمْ اتَّخَذُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ قُلُوبًا بِرَهَانِكُمْ ۖ

क्या उनहों ने अल्लाह के अलावा माबूह बना लिये हैं? आप इरमा हीजिये के तुम दलील लाओ.

هَذَا ذِكْرٌ مِّنْ مَّعْجَىٰ وَذِكْرٌ مِّنْ قَبْلِي ۖ بَلْ أَكْثَرُهُمْ

ये उन की किताब है जो मेरे साथ है और ये उन की किताब है जो मुज से पेडले थे. बल्के उन में से अकसर

لَا يَعْلَمُونَ ۚ الْحَقُّ فَهُمْ مُّعْرِضُونَ ﴿۲۴﴾ وَمَا أَرْسَلْنَا

उक को जानते नही, फिर वो उस से औराज कर रहे हैं. और हम ने आप से पेडले कोई

مِّنْ قَبْلِكَ مِنْ رَّسُولٍ إِلَّا نُوحِيَ إِلَيْهِ أَنَّهُ

रसूल नही भेजा मगर हम उस की तरफ वही करते थे इस बात की के

لَا إِلَهَ إِلَّا أَنَا فَاعْبُدُونِ ﴿۲۵﴾ وَقَالُوا اتَّخَذَ الرَّحْمَنُ

मेरे सिवा कोई माबूह नही, तो तुम मेरी ही इबादत करो. और उनहों ने कडा के रहमान तआला ने औलाद

وَلَدًا سُبْحٰنَهُ ۚ بَلْ عِبَادٌ مُّكْرَمُونَ ﴿۲۱﴾ لَا يَسْبِقُونَهُ

बनाई है, अल्लाह उस से पाक है। बल्के वो मुअज़्ज़ल बन्दे हैं। वो किसी बात में अल्लाह से सबकत

بِالْقَوْلِ وَهُمْ بِأَمْرِ رَبِّ يَعْمَلُونَ ﴿۲۲﴾ يَعْلَمُ

नहीं कर सकते, बल्के वो अल्लाह के हुकम के मुताबिक काम करते हैं। अल्लाह जानता है जो उन के

مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ وَلَا يَشْفَعُونَ ۚ

आगे और पीछे है और वो सिफ़ारिश नहीं करते मगर उस की जो अल्लाह का पसन्दीदा हो और वो

إِلَّا لِمَنِ ارْتَضَىٰ وَهُمْ مِّنْ خَشِيَّتِهِ مُشْفِقُونَ ﴿۲۳﴾ وَمَنْ

अल्लाह के भौंक से सेडमे रेडते हैं। और जो भी उन में से ये कहेगा के मैं माबूद

يَقُلْ مِنْهُمْ إِنِّي إِلَهُ مِّنْ دُونِهِ فَذَلِكَ نَجْرِيهِ

हूँ अल्लाह के सिवा तो उस को हम जहन्नम की सजा देंगे।

جَهَنَّمَ ۚ كَذَلِكَ نَجْزِي الظَّالِمِينَ ﴿۲۴﴾ أَوَلَمْ يَرِ

ईसी तरह ज़ालिमों को हम सजा देते हैं। क्या काफ़िरो ने देखा

الَّذِينَ كَفَرُوا أَنَّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ كَانَتَا

नहीं के आस्मान और जमीन दोनों मिले हुवे थे,

رَتْقًا فَفَتَقْنَاهُمَا ۚ وَجَعَلْنَا مِنَ الْمَاءِ كُلَّ شَيْءٍ

फ़िर हम ने उन दोनों को अलग किया। और हम ने पानी से हर जिन्दा चीज़ को बनाया।

حَيٍّ ۚ أَفَلَا يُؤْمِنُونَ ﴿۲۵﴾ وَجَعَلْنَا فِي الْأَرْضِ رَوَاسِي

क्या फिर ये ईमान नहीं लाते? और हम ने जमीन में पहाड रभ दिये के

أَنْ تَبِيدَ بِهِمْ ۚ وَجَعَلْنَا فِيهَا فِجَاجًا سُبُلًا

कही वो उन को ले कर न ढिले। और हम ने जमीन में कुशादा रास्ते बना दिये

لَعَلَّهُمْ يَهْتَدُونَ ﴿۲۶﴾ وَجَعَلْنَا السَّمَاءَ سَقْفًا

ताके वो राह पाओं। और हम ने आस्मान को मडकूज़ छत बनाया।

مَحْفُوظًا ۚ وَهُمْ عَنْ آيَاتِهَا مُعْرِضُونَ ﴿۲۷﴾

और वो आस्मान की निशानियों से औराज़ कर रहे हैं।

وَهُوَ الَّذِي خَلَقَ اللَّيْلَ وَالنَّهَارَ وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ

और वही अल्लाह है जिस ने रात और दिन पैदा किये और सूरज और चाँद पैदा किये।

كُلٌّ فِي فَلَكَ يَسْبَحُونَ ﴿۳۱﴾ وَمَا جَعَلْنَا لِبَشَرٍ

सब के सब आस्मान में तैर रहे हैं. और हम ने किसी इन्सान के लिये आप से

مِّن قَبْلِكَ الْخُلْدَ أَفَإِنَّ مَتَّ فَهُمْ الْخَالِدُونَ ﴿۳۲﴾

पेहले हमेशा रहेना नहीं बनाया. क्या फिर अगर आप मर जाओगे तो ये हमेशा रहने वाले हैं?

كُلُّ نَفْسٍ ذَائِقَةُ الْمَوْتِ ۖ وَنَبَّؤُكُمْ بِالشَّرِّ

हर जानदार मौत का मजा यখনे वाला है. और बुराई और भलाई के जरिये हम तुम्हारी आजमाईश

وَالْخَيْرِ فِتْنَةً ۖ وَإِلَيْنَا تُرْجَعُونَ ﴿۳۳﴾

व ईस्तिदान लेते हैं. और हमारी ही तरफ़ तुम लौटाओ जाओगे. और जब काफ़िर लोग आप को

وَإِذَا رَأَى الَّذِينَ كَفَرُوا إِنْ يَتَّخِذُونَكَ إِلَّا هُزُوًا

देखते हैं तो आप ही को मजाक बना लेते हैं. के क्या ये वो आदमी है जो तुम्हारे भाबूहों का

أَهَذَا الَّذِي يَذْكُرُ إِلَهُتَكُمْ ۗ وَهُمْ بِذِكْرِ الرَّحْمَنِ

तजक़िरा करता रहता है? और वो भुद रहमान तआला की याद के मुन्किर हैं.

هُمْ كَفَرُونَ ﴿۳۴﴾ خَلَقَ الْإِنْسَانَ مِنْ عَلَجٍ ۖ سَآوِرَيْكُمْ

इन्सान जल्दबाजी की ખस्लत के साथ पैदा किया गया है. अन्करीब में तुम्हें

أَيْتِي فَلَا تَسْتَعْجِلُونَ ﴿۳۵﴾ وَيَقُولُونَ مَتَىٰ هَذَا

अपनी आयतें दिखलाऊंगा, फिर तुम मुज से जल्दी मुतालबा मत करो. और ये केहते हैं के ये

الْوَعْدُ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۳۶﴾ لَوْ يَعْلَمُ الَّذِينَ

वादा कब है अगर तुम सच्ये हो? काश ये काफ़िर जानते उस वक़्त को

كَفَرُوا حِينَ لَا يَكْفُونُ عَنْ وُجُوهِهِمُ النَّارَ

जब वो अपने येहरो से आग रोक नहीं सकेंगे और न अपनी पीठों से और

وَلَا عَنْ ظُهُورِهِمْ وَلَا هُمْ يُنصَرُونَ ﴿۳۷﴾ بَلْ تَأْتِيهِمْ

उन की नुस्रत नहीं की जाओगी. बल्के वो उन के पास अचानक आ जाओगी,

بَعْتَةٌ فَمَبْتَهِتُمْ فَلَا يَسْتَطِيعُونَ رَدَّهَا وَلَا هُمْ

फ़िर वो उन को मब्दूत कर देगी, फिर वो उस को लौटाने की ताकत नहीं रख सकेंगे और न

يُنظَرُونَ ﴿۳۸﴾ وَلَقَدْ اسْتَهْزَىٰ بِرُسُلٍ مِّن

उन्हें मोडलत दी जाओगी. यकीनन आप से पेहले पैगम्बरों के साथ ईस्तिदजा

قَبْلِكَ فَحَاقَ بِالَّذِينَ سَخِرُوا مِنْهُمْ مَا كَانُوا

किया गया, फिर उन में से छिस्टिडजा करने वालों को उसी अजाब ने घेर लिया जिस का

بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ﴿٣١﴾ قُلْ مَنْ يَكْفُرْكُمْ بِالْبَيْلِ

वो मजाक उडाया करते थे. आप इरमा दीजिये के कौन तुम्हारी छिडकाजत करता है रात में और

وَالنَّهَارِ مِنَ الرَّحْمَنِ ۗ بَلْ هُمْ عَنْ ذِكْرِ رَبِّهِمْ

दिन में रडमान तआला से. बडके वो अपने रब की याद से मुंड मोडते हैं. क्या उन के लिये माबूद

مُعْرِضُونَ ﴿٣٢﴾ أَمْ لَهُمُ الْهَيْئَةُ تَنْعُهُمْ مِّنْ دُونِنَا ۗ

हैं डमारे अलावा जो उन को डम से बचा सकेंगे? वो तो षुद अपने आप की मदद करने की

لَا يَسْتَطِيعُونَ نَصْرَ أَنْفُسِهِمْ وَلَا هُمْ مِنَّا يُصْحَبُونَ ﴿٣٣﴾

ताकत नहीं रभते और उन को डम से बचाने वाला साथी भुयस्सर नहीं आ सकता.

بَلْ مَتَّعْنَا هَؤُلَاءِ وَاَبَاءَهُمْ حَتَّىٰ طَالَ عَلَيْهِمُ الْعُمُرُ ۗ

बडके डम ने उन्हे और उन के बाप दादा को मुतमत्तिअ किया यडां तक के उन की उमरें तवील डो गर्ई.

أَفَلَا يَرَوْنَ أَنَّا نَأْتِي الْأَرْضَ نَنْقُصُهَا مِنْ أَطْرَافِهَا ۗ

क्या फिर वो देभते नहीं के डम जमीन को उस के अतराड से कम करते डुवे आ रडे हैं?

أَفَهُمُ الْغَالِبُونَ ﴿٣٤﴾ قُلْ إِنَّمَا أُنذِرُكُمْ بِالْوَحْيِ ۗ

क्या फिर ये गालिब डो सकते हैं? आप इरमा दीजिये के मैं तो सिई तुम्हे वडी के जरिये डराता डूं.

وَلَا يَسْمَعُ الصُّمُّ الدُّعَاءَ إِذَا مَا يُنذَرُونَ ﴿٣٥﴾

और बेडरे पुकार नहीं सुनते जब उन्हे डराया जाअे. और अगर तेरे रब के अजाब का

وَلَئِنْ مَسَّتْهُمْ نَفْحَةٌ مِّنْ عَذَابِ رَبِّكَ لَيَقُولُنَّ

कोई जोका उन को डू ले तो जरूर कहेंगे के डाय डमारी बराभी! यकीनन

يُؤْيِلْنَا إِنَّا كُنَّا ظَالِمِينَ ﴿٣٦﴾ وَنَضَعُ الْمَوَازِينَ

डम डी कुसूरवार थे. और भीजाने अदल (ई-साड के तराजू) डम काईम

الْقِسْطَ لِيَوْمِ الْقِيَامَةِ فَلَا تُظْلَمُ نَفْسٌ شَيْئًا ۗ

करेंगे क्यामत के दिन, फिर किसी शप्स पर जरा भी जुडम नहीं किया जाअेगा.

وَإِنْ كَانَ مِثْقَالَ حَبَّةٍ مِّنْ خَرْدَلٍ أَتَيْنَا بِهَا ۗ وَكَفَىٰ

और अगर राई के डाने के बराबर भी कोई अमल डोगा तो डम उसे ले आअेंगे. और डम

بِنَا حُسَيْبِينَ ﴿۵۴﴾ وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَىٰ وَهَارُونَ الْفُرْقَانَ

हिसाब देनेवाले काफ़ी हैं, यकीनन हम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) और हारून (अलैहिस्सलाम) को दी उक और भातिल के

وَ ضِيَاءً وَ ذِكْرًا لِلْمُتَّقِينَ ﴿۵۵﴾ الَّذِينَ يَخْشَوْنَ

हरमियान इसला करने वाली किताब और रोशनी वाली किताब और नसीहत दिलाने वाली किताब उन

رَبَّهُمْ بِالْغَيْبِ وَهُمْ مِنَ السَّاعَةِ مُشْفِقُونَ ﴿۵۶﴾

मुत्तकियों के लिये. जो अपने रब से भे देभे डरते हैं और वो कयामत से भी डरते हैं.

وَهَذَا ذِكْرٌ مُّبَارَكٌ أَنْزَلْنَاهُ ۗ أَفَأَنْتُمْ لَهُ مُنْكَرُونَ ﴿۵۷﴾

और ये मुबारक तजक़िरा है जो हम ने उतारा है. क्या फिर तुम उस का ँकार करते हो?

وَلَقَدْ آتَيْنَا إِبْرَاهِيمَ رُشْدَهُ مِنْ قَبْلُ وَكُنَّا بِهِ

यकीनन हम ने ँब्राहीम (अलैहिस्सलाम) को उन की हिदायत दी ँस से पेडले और हम उन को पूष जानने

عَلِيمِينَ ﴿۵۸﴾ إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ وَقَوْمِهِ مَا هَذِهِ التَّمَاثِيلُ

वाले थे. जब के उन्हों ने अपने अब्बा और अपनी कौम से ँरमाया के ये कया मूर्तियां हैं

الَّتِي أَنْتُمْ لَهَا عَاكِفُونَ ﴿۵۹﴾ قَالُوا وَجَدْنَا آبَاءَنَا

जिन पर तुम जमे डुवे हो? उन्हों ने कहा के हम ने अपने बाप दादा को उन की ँबाहत

لَهَا عَابِدِينَ ﴿۶۰﴾ قَالَ لَقَدْ كُنْتُمْ أَنْتُمْ وَآبَاؤُكُمْ

करते डुवे पाया. ँब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने ँरमाया के यकीनन तुम और तुम्हारे बाप दादा भी

فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ﴿۶۱﴾ قَالُوا أَجِئْنَا بِالْحَقِّ

गुमराही में थे. उन्हों ने कहा कया तुम हमारे पास उक लाये हो या तुम हिल्लगी

أَمْ أَنْتَ مِنَ اللَّاعِبِينَ ﴿۶۲﴾ قَالَ بَلْ رَبُّكُمْ رَبُّ

कर रहे हो? ँब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने ँरमाया बलके तुम्हारा रब आस्मानों और

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ الَّذِي فَطَرَهُنَّ ۗ وَأَنَا

जमीन का रब है, वो जिस ने उन को पैदा किया. और मैं उस पर

عَلَىٰ ذَلِكُمْ مِنَ الشَّاهِدِينَ ﴿۶۳﴾ وَتَاللَّهِ لَأَكِيدَنَّ

गवाहों मे से हूँ. और अल्लाह की कसम! ज़र में तुम्हारे भुतों के लिये

أَصْنَامَكُمْ بَعْدَ أَنْ تُولَّوْا مُدْبِرِينَ ﴿۶۴﴾ فَجَعَلَهُمْ

तदबीर कड़ंगा ँस के बाह के तुम वापस यले जाओगे. फिर ँब्राहीम (अलैहिस्सलाम)

جُذًا إِلَّا كَبِيرًا لَهُمْ لَعَلَّهُمْ إِلَيْهِ يَرْجِعُونَ ﴿۵۸﴾

نے ان کو ٹکڑے ٹکڑے کر دیا، مگر ان میں سے بڑے کو، شاید وہ اس کی तरफ़ रुजूअ करें.

قَالُوا مَنْ فَعَلَ هَذَا بِآلِهَتِنَا إِنَّهُ لَمِنَ الظَّالِمِينَ ﴿۵۹﴾

انہوں نے کہا جس نے یہ حرکت کی ہمارے ماہوں کے ساتھ یقینان وہ ظالموں میں سے ہے.

قَالُوا سَمِعْنَا فَتًى يَذُكُرُهُمْ يُقَالُ لَهُ إِبْرَاهِيمُ ﴿۶۰﴾ قَالُوا

انہوں نے کہا کہ ہم نے سنا ہے کہ ایک نوجوان ان کی بات کرتا ہے جسے ابراہیم کہا جاتا ہے.

فَاتُّوا بِهِ عَلَىٰ أَعْيُنِ النَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَشْهَدُونَ ﴿۶۱﴾

انہوں نے کہا کہ اسے لوگوں کے سامنے لائیں تاکہ سب لوگ گواہ رہیں.

قَالُوا ءَأَنْتَ فَعَلْتَ هَذَا بِآلِهَتِنَا يَا إِبْرَاهِيمُ ﴿۶۲﴾

انہوں نے کہا کہ تو نے یہ حرکت کی ہے ہمارے ماہوں کے ساتھ، اے ابراہیم؟

قَالَ بَلْ فَعَلَهُ كَبِيرُهُمْ هَذَا فَسَأَلُوهُمْ إِنْ كَانُوا

ابراہیم (ابراہیم علیہ السلام) نے فرمایا بڑے ان کے پاس بڑے نے یہ حرکت کی ہے، تو تم ان سے پوچھو اگر یہ

يَنْطِقُونَ ﴿۶۳﴾ فَرَجَعُوا إِلَىٰ أَنفُسِهِمْ فَقَالُوا إِنَّكُمْ

بولتے ہو۔ پھر وہ اپنے دماغ میں کہنے لگے کہ یقینان تم بڑے ہی کھوسوار

أَنْتُمْ الظَّالِمُونَ ﴿۶۴﴾ ثُمَّ نَكَسُوا عَلَىٰ رُءُوسِهِمْ لَقَدْ

ہو۔ پھر انہوں نے اپنے سر جھکا دیے کہ یقینان تمہیں ملامت ہے کہ یہ تو

عَلِمْتَ مَا هَؤُلَاءِ يَنْطِقُونَ ﴿۶۵﴾ قَالَ أَفَتَعْبُدُونَ

بول نہیں سکتے۔ ابراہیم (ابراہیم علیہ السلام) نے فرمایا کہ کیا تم ادا کرتے ہو

مِنْ دُونِ اللَّهِ مَا لَا يَنْفَعُكُمْ شَيْئًا وَلَا يَضُرُّكُمْ ﴿۶۶﴾

اللہ کے علاوہ ایسی چیزوں کی جن سے تمہیں نہ کوئی نفع دے سکتی ہے اور نہ ہرجس پڑھ سکتی ہے؟

إِنَّ لَكُمْ وَلِيًّا تَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ ۗ

اگرچہ ہے تم پر بھی اور ان ماہوں پر بھی جن کی تم اللہ کے علاوہ ادا کرتے ہو.

أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۶۷﴾ قَالُوا حَرِّقُوهُ وَانصُرُوا آلِهَتَكُمْ

کیا پھر تمہیں عقل نہیں؟ انہوں نے کہا کہ تم ابراہیم کو جلا دو اور اپنے ماہوں کی مدد کرو

إِنْ كُنْتُمْ فَعَلِينَ ﴿۶۸﴾ قُلْنَا يَا نَارُ كُونِي بَرْدًا

اگر تمہیں کرنا ہے۔ ہم نے کہا کہ اے آگ! تو ابراہیم (ابراہیم علیہ السلام) کے لیے سردی اور

وَّ سَلَمًا عَلَىٰ إِبْرَاهِيمَ ﴿١٩﴾ وَ أَرَادُوا بِهِ كَيْدًا

सलामती वाली बन जा. और उन्हें ने ईब्राहीम (अलैहिस्सलाम) के साथ मकर का धरादा किया तो हम ने

فَجَعَلْنَاهُمْ الْأَخْسَرِينَ ﴿٢٠﴾ وَ نَجَّيْنَاهُ وَلُوطًا

उन्हें भसारा उठाने वाले बना दिया. और हम ने ईब्राहीम (अलैहिस्सलाम) को और लूत (अलैहिस्सलाम) को नजात दी

إِلَى الْأَرْضِ الَّتِي بَرَكْنَا فِيهَا لِلْعَالَمِينَ ﴿٢١﴾ وَ وَهَبْنَا

उस जमीन की तरफ जिस में हम ने जहान वालों के लिये बरकते रफी हैं. और हम ने ईब्राहीम (अलैहिस्सलाम)

لَهُ إِسْحَاقَ ۖ وَيَعْقُوبَ نَافِلَةً ۗ وَكُلًّا جَعَلْنَا

को ईसहाक अता किये और मजीद यअकूब भी. और सब को हम ने नेक बनाया.

صَالِحِينَ ﴿٢٢﴾ وَجَعَلْنَاهُمْ آيَةً يُهَدُونَ بِأَمْرِنَا

और हम ने उन्हें पेशवा बनाया, वो हमारे हुकम से रहनुमाई करते थे और हम ने उन की

وَ أَوْحَيْنَا إِلَيْهِمْ فِعْلَ الْخَيْرَاتِ وَإِقَامَ الصَّلَاةِ

तरफ वही की नेकी के काम के करने की और नमाज काईम करने की और

وَ آيَاتِنَا الزُّكُورِ ۚ وَكَانُوا لَنَا غٰٓئِبِينَ ﴿٢٣﴾ وَ لُوطًا

जकात देने की. और वो सब हमारी ईबाहत करने वाले थे. और लूत (अलैहिस्सलाम) को

آتَيْنَاهُ حُكْمًا وَعِلْمًا وَ نَجَّيْنَاهُ مِنَ الْقَرْيَةِ الَّتِي

हम ने नुबूवत और ईल्म दिया और हम ने उन्हें नजात दी उस बस्ती से जो

كَانَتْ تَعْمَلُ الْخَبِيثَاتِ ۖ إِنَّهُمْ كَانُوا قَوْمَ سَوْءٍ

गन्दे काम करती थी. यकीनन वो भुरी नाइरमान कौम थी. और हम ने लूत (अलैहिस्सलाम) को अपनी

فٰسِقِينَ ﴿٢٤﴾ وَ أَدْخَلْنَاهُ فِي رَحْمَتِنَا ۗ إِنَّهُ مِنَ الصّٰلِحِينَ ﴿٢٥﴾

रहमत में दाखिल किया. यकीनन वो नेक लोगो में से थे. और लूत (अलैहिस्सलाम) का (किस्सा सुनिये)

وَ نُوْحًا إِذْ نَادَىٰ مِنْ قَبْلُ فَاسْتَجَبْنَا لَهُ فَنَجَّيْنَاهُ

जब के उन्होंने ने पुकारा इस से पेडले, फिर हम ने उन की हुआ कबूल की, फिर हम ने उन्हें और उन के

وَ أَهْلَهُ مِنَ الْكَرْبِ الْعَظِيمِ ﴿٢٦﴾ وَ نَصَرْنَاهُ

मानने वालों को उस बड़ी मुसीबत से नजात दी. और हम ने उन की नुस्रत की

مِنَ الْقَوْمِ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا ۖ إِنَّهُمْ كَانُوا

उस कौम के खिलाफ जिन्हों ने हमारी आयतों को जूठलाया. यकीनन वो भुरी कौम थी,

قَوْمَ سَوْءٍ فَأَغْرَقْنَاهُمْ أَجْمَعِينَ ﴿۷۹﴾ وَدَاوُدَ وَسُلَيْمَانَ

फिर हम ने उन सब को गर्क कर दिया. और दावूद और सुलैमान (अलैहिस्सलाम) को (याद कीजिये) जब के

إِذْ يَحْكُمْنَ فِي الْحَرْثِ إِذْ نَفَسَتْ فِيهِ عَنَمٌ

वो दोनों कैसेला कर रहे थे भेती के बारे में जब के उस में एक कौम की भकरियां (भेड) रात को

الْقَوْمِ وَكُنَّا لِحُكْمِهِمْ شَاهِدِينَ ﴿۸۰﴾ فَفَهَّمْنَاهَا

यार गई. और हम उन का कैसेला देभ रहे थे. फिर हम ने उस कैसेले की सुलैमान (अलैहिस्सलाम)

سُلَيْمَانَ ۚ وَكَلَّا أَتَيْنَا حُكْمًا وَعِلْمًا ۚ وَسَخَّرْنَا

को समज दी. और हम ने सब को नुबूवत और एल्म दिया. और हम ने दावूद (अलैहिस्सलाम) के साथ

مَعَ دَاوُدَ الْجَبَالَ يُسَبِّحْنَ وَالطَّيْرَ وَكُنَّا فَاعِلِينَ ﴿۸۱﴾

पडाओं और परिन्दों को ताभेअ किया था जो तस्बीह पण्डते थे. और हम ही करने वाले थे.

وَعَلَّمْنَاهُ صَنْعَةَ لَبُوسٍ لَّكُمْ لِيَتَّحِصَنَكُمْ

और हम ने दावूद (अलैहिस्सलाम) को तिरह बनाना सिखाया तुम्हारे लिये ताके वो तुम्हारी लडाई से तुम्हारी

مِّنْ بَأْسِكُمْ ۚ فَهَلْ أَنْتُمْ شَاكِرُونَ ﴿۸۲﴾ وَسَلِّمْنَا

उडकाजत करे. क्या फिर तुम शुक्र अदा करते हो? और सुलैमान (अलैहिस्सलाम) के लिये तेज उवा

الرِّيحَ عَاصِفَةً تَجْرِي بِأَمْرِي إِلَى الْأَرْضِ الَّتِي

को ताभेअ किया जो चलती थी उन के हुकम से उस जमीन की तरफ जिस में हम ने भरकते

بُرُكْنَا فِيهَا ۚ وَكُنَّا بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمِينَ ﴿۸۳﴾

रभी हैं. और हम हर चीज जानते हैं. और शयातीन में से वो भी थे जो

وَمِنَ الشَّيْطَانِ مَن يَغْوُصُونَ لَهُ وَيَعْمَلُونَ عَمَلًا

सुलैमान (अलैहिस्सलाम) के लिये गोता लगाते थे और उस के अलावा दूसरे काम भी

دُونَ ذَلِكَ ۚ وَكُنَّا لَهُمْ حَفِظِينَ ﴿۸۴﴾ وَأَيُّوبَ

करते थे. और हम ही उन को सम्भाल रहे थे. और अय्यूब (अलैहिस्सलाम) को जब के उनको ने अपने

إِذْ نَادَى رَبَّهُ أِنِّي مَسَّنِيَ الضُّرُّ وَأَنْتَ أَرْحَمُ

रभ को पुकारा के मुजे तकलीफ पडोयी है और तू रहम करने वालों में सब से ज्यादा रहम

الرَّحِيمِينَ ﴿۸۵﴾ فَاسْتَجَبْنَا لَهُ فَكَشَفْنَا مَا بِهِ مِنْ

करने वाला है. फिर हम ने उन की दृआ कबूल की और हम ने दूर कर दी वो तकलीफ जो उनको

ضُرٌّ وَآتَيْنَهُ أَهْلَهُ وَمِثْلَهُمْ مَعَهُمْ رَحْمَةً

थी और हम ने उन्हें दे दी उन की औलाद और उन के साथ उन के मानिन्द और भी दिये रहमत के तौर

مِّنْ عِنْدِنَا وَذِكْرَىٰ لِلْعَبِيدِينَ ۝۱۳۷ وَإِسْرَائِيلَ

पर हमारी तरफ से और यादगार ईबादत करने वालों के लिये. और ईस्माईल और ईदरीस

وَإِدْرِيسَ وَذَا الْكِفْلِ ۖ كُلٌّ مِّنَ الصَّابِرِينَ ۝۱۳۸

और जुल किफल (अद्वैदिमुस्सलाम) को. ये तमाम सभ्र करने वालों में से थे. और हम ने उन्हें

وَ أَدَخَلْنَاهُمْ فِي رَحْمَتِنَا ۖ إِنَّهُمْ مِّنَ الصَّالِحِينَ ۝۱۳۹

अपनी रहमत में दाखिल किया. यकीनन वो सुलहा में से थे.

وَذَا النُّونِ إِذْ ذَهَبَ مُغَاضِبًا فَظَنَّ أَن

और मछली वाले पैगम्बर (यूनूस अद्वैदिस्सलाम) को जब के वो गुस्सा हो कर चले गये, तो उन्होंने ने

لَّن نَّقْدِرَ عَلَيْهِ فَنَادَىٰ فِي الظُّلُمَاتِ أَن لَّا إِلَهَ

समजा के हम उन पर गिरिफ्त डरगिज नही करेंगे, फिर उन्होंने ने हुआ की तारीकियों में के

إِلَّا أَنْتَ سُبْحَانَكَ ۗ إِنِّي كُنْتُ مِنَ الظَّالِمِينَ ۝۱۴०

कोई माबूह नही मगर तू ही, तू पाक है. यकीनन मैं कुसूरवारों में से हूँ. तो हम ने उन की

فَاسْتَجَبْنَا لَهُ ۖ وَنَجَّيْنَاهُ مِنَ الغَمِّ ۖ وَكَذَلِكَ

हुआ कबूल की और हम ने उन्हें गम से नजात दी. और इसी तरह हम ईमान वालों को नजात

نُجِّى الْمُؤْمِنِينَ ۝۱४१ وَ زَكَرِيَّا إِذْ نَادَىٰ رَبَّهُ

हते हैं. और जकरीया (अद्वैदिस्सलाम) को जब के उन्होंने ने अपने रब को पुकारा

رَبِّ لَآ تَذَرْنِي فَرْدًا وَأَنْتَ خَيْرُ الْوَارِثِينَ ۝۱४२

ओ मेरे रब! तू मुझे तन्हा मत छोड और तू बेहतरीन वारिस है. तो हम ने उन की

فَاسْتَجَبْنَا لَهُ ۖ وَوَهَبْنَا لَهُ يَحْيَىٰ وَ أَمْلَحْنَا

हुआ कबूल की. और हम ने उन्हें यडया अता किये और हम ने उन के लिये उन की भीवी को

لَهُ زَوْجَةً ۖ إِنَّهُمْ كَانُوا يُسْرِعُونَ فِي الْخَيْرَاتِ

अच्छा कर दिया. यकीनन वो सभकत करते थे नेकियों में और हमें शोक

وَيَدْعُونَنَا رِعَبًا وَرَهَبًا ۖ وَكَانُوا لَنَا خَشِعِينَ ۝۱४३

और डर से पुकारते थे. और वो हम से डरने वाले थे.

وَالَّتِي أَحْصَنَتْ فَرْجَهَا فَنَفَخْنَا فِيهَا مِنْ رُوحِنَا

اور اس مریم کو جس نے اپنی شرمگاہ کی لیکھڑت کی، تو ہم نے اس میں اپنی رُح

وَجَعَلْنَاهَا وَابْنَهَا آيَةً لِلْعَالَمِينَ ﴿۹۱﴾ إِنَّ هَذِهِ

کُذِّبَتْ وَأَنَّ هَذِهِ وَابْنَهَا آيَةً لِلْعَالَمِينَ ﴿۹۱﴾ إِنَّ هَذِهِ

أُمَّتُكُمْ أُمَّةً وَاحِدَةً ۖ وَأَنَا رَبُّكُمْ فَاعْبُدُونِ ﴿۹۲﴾

تुम्हारी उम्मत एक उम्मत है. और मैं तुम्हारा माबूद हूँ, तो तुम मेरी ईबादत करो.

وَتَقَطَّعُوا أَمْرَهُمْ بَيْنَهُمْ ۗ كُلُّ إِلَيْنَا رَاجِعُونَ ﴿۹۳﴾

और उन के मुआमले में आपस में वो मुफ्तलिक़ गिरोह हो गये. सब को हमारी तरफ़ लौट कर आना है.

فَمَنْ يَعْمَلْ مِنَ الصَّالِحَاتِ وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَلَا كُفْرَانَ

किर जो आमाके सालेहा करेगा भशर्तके वो मोमिन हो तो उस की कोशिश की नाकदरी नहीं

لِسَعْيِهِ ۗ وَإِنَّا لَهُ كَاتِبُونَ ﴿۹۴﴾ وَحَرْمٌ عَلَىٰ قَرِيْبَةٍ

की जायेगी. यकीनन हम उस को लिख रहे हैं. और जिस बस्ती (वालों) को हम ने उलाक़ किया,

أَهْلَكْنَاهَا أَنَّهُمْ لَا يَرْجِعُونَ ﴿۹۵﴾ حَتَّىٰ إِذَا فُتِحَتْ

नामुमकिन है के वो लौट कर हमारे पास न आये. यहां तक के जब याजूज और माजूज

يَأْجُوجُ وَمَاجُوجُ وَهُمْ مِّنْ كُلِّ حَدَبٍ يَنْسِلُونَ ﴿۹۶﴾

भोल दिये जायेंगे और वो हर ढलवान जगा से तेजी से सरक रहे होंगे. और सख्या

وَأَقْتَرَبَ الْوَعْدُ الْحَقُّ فَإِذَا هِيَ شَاخِصَةٌ

वादा करीब आ जायेगा, तो एक दम उन की निगाहें इटी रेह जायेंगी जिन्हों ने कुड़

أَبْصَارُ الَّذِينَ كَفَرُوا ۗ يَوِيلًا قَدْ كُنَّا

किया. (वो कहेंगे) हाय हमारी कमबस्ती! यकीनन हम गइलत में पडे रहे

فِي عَقْلَةٍ مِّنْ هَذَا بَلْ كُنَّا ظَالِمِينَ ﴿۹۷﴾ إِنَّكُمْ

उस से, बल्के हम मुजरिम थे. यकीनन तुम और वो जिन की तुम अल्लाह के अलावा ईबादत

وَمَا تَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ حَصَبُ جَهَنَّمَ ۗ أَنْتُمْ لَهَا

करते हो सब जहन्नम का ईधन हैं. तुम उस जहन्नम में दाभिल होने वाले

وَرَدُونَ ﴿۹۸﴾ لَوْ كَانَ هَؤُلَاءِ إِلَهًا مَّا وَرَدُوْهَا

हो. अगर वो माबूद होते तो उस जहन्नम में दाभिल न होते. और सब के सब

وَكُلٌّ فِيهَا خَلِدُونَ ﴿۹۹﴾ لَهُمْ فِيهَا زَفِيرٌ وَهُمْ

उस में उमेशा रहेंगे. उन का उस में थिद्ला कर रोना डोगा और ँत्ना के उस में कोरु आवाज

فِيهَا لَا يَسْمَعُونَ ﴿۱००﴾ إِنَّ الَّذِينَ سَبَقَتْ لَهُمْ مِنَّا

भी सुन नहीं पायेंगे. यकीनन वो जिन के लिये डमारी तरफ से अरुषा कैसला पेडले

الْحُسْنَىٰ ۖ أُولَٰئِكَ عَنْهَا مُبْعَدُونَ ﴿۱०१﴾ لَا يَسْمَعُونَ

डो युका है, तो ये जडन्नम से दूर रभे जायेंगे. वो जडन्नम की आडट भी नहीं सुन

حَسِيْسَهَا ۖ وَهُمْ فِي مَا شَتَّهَتْ أَنفُسُهُمْ خَلِدُونَ ﴿۱०२﴾

सकेंगे. और वो उन नेअमतों में जो उन के जो याडेंगे डमेशा रहेंगे.

لَا يَحْزَنُهُمُ الْفَزَعُ الْأَكْبَرُ وَتَتَلَقَّاهُمُ

उन को डडी डभराडट गमगीन नहीं करेगी और इरिशते उन का

الْمَلَائِكَةُ ۖ هَذَا يَوْمُكُمْ الَّذِي كُنْتُمْ تُوعَدُونَ ﴿۱०३﴾

डस्तिकडाल करेंगे. (ये केडते डुवे) के ये वो दिन है जिस का तुडें वाढा किया जा रडा था.

يَوْمَ نَطْوِي السَّمَاءَ كَطَيِّ السِّجِلِّ لِلْكُتُبِ ۗ

जिस दिन डम आस्मान को लपेटेंगे लिभे डुवे कागजात दइतर में लपेटने की तरड. जैसा के

كَمَا بَدَأْنَا أَوَّلَ خَلْقٍ تَعِيدُهُ ۖ وَعَدًّا عَلَيْنَا ۗ إِنَّا كُنَّا

डम ने पेडली दइ मड्लूक पैढा की तो डम दोडारा उस को पैढा करेंगे. ये डम पर वाढे के तौर पर लाजिम है.

فَاعِلِينَ ﴿۱०४﴾ وَلَقَدْ كَتَبْنَا فِي الزَّبُورِ مِنۢ بَعْدِ الذِّكْرِ

यकीनन डम अैसा करने वाले हैं. यकीनन डम ने जडूर में जिकर के डाढ ये डात लिभ दी है

أَنَّ الْأَرْضَ يَرِثُهَا عِبَادِيَ الصَّالِحُونَ ﴿۱०५﴾ إِنَّ

के जमीन के वारिस मेरे नेक डन्दे डोंगे. यकीनन

فِي هَذَا لَبَلَاغًا لِّقَوْمٍ غَيْبِينَ ﴿۱०६﴾ وَمَا أَرْسَلْنَاكَ

उस में डडाढतगुजार कौम का मतलड पूरा पूरा है. और आप को जो डम ने लेश

إِلَّا رَحْمَةً لِّلْعَالَمِينَ ﴿۱०७﴾ قُلْ إِنَّمَا يُؤْمِنُ بِإِيۤمَانِي إِلَىٰ أَنبَاءِ

तो तमाम जडंनो के लिये रडमत डना कर डी लेश है. आप इरमा दीजिये मेरी तरफ तो वडी आती है के

الرُّهُكُمۡ إِلَٰهٍ وَاحِدٌ ۖ فَهَلْ أُنْتُمْ مُسْلِمُونَ ﴿۱०८﴾

तुडडारा माडूढ यकता माडूढ है, क्या अब तुम मानते डो? इर अगर वो अैराज

فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقُلْ آذَنْتُكُمْ عَلَىٰ سَوَاءٍ ۗ

करें तो आप इरमा दीजिये के मैं ने तो तुम्हें पूरी भबर दे दी. और मैं नहीं जानता के वो

وَإِنْ أَدْرِمَيْ أَقْرَبِيٍّ أَمْ بَعِيدٍ مَّا تُوْعَدُونَ ﴿۱۹﴾ إِنَّهُ

करीब है या दूर है जिस का तुम से वादा किया जा रहा है. यकीनन वो अल्लाह बातों में से जोर से

يَعْلَمُ الْجَهْرَ مِنَ الْقَوْلِ وَيَعْلَمُ مَا تَكْتُمُونَ ﴿۲۰﴾

कही हुई बात भी जानता है और जानता है जो तुम छुपाते हो.

وَإِنْ أَدْرِمَيْ لَعَلَّهُ لَفِتْنَةٌ لَّكُمْ وَ مَتَاعٌ

और मैं नहीं जानता, शायद ये तुम्हारे लिये आजमाईश हो और अक वकत तक नफा

إِلَىٰ حِينٍ ﴿۲۱﴾ قُلْ رَبِّ احْكُم بِالْحَقِّ ۗ وَرَبُّنَا الرَّحْمَنُ

पड़ोयाना हो. पैगम्बर ने कहा के मेरे रब! तू उस के साथ फैसला कर दे. और हमारे रब

الْمُسْتَعَانُ عَلَىٰ مَا تَصِفُونَ ﴿۲۲﴾

रहमान तआला ही से मदद याहते हैं उन बातों पर जो तुम भयान करते हो.

﴿۲۲﴾ سُوْرَةُ الْحَجِّ مَكَانِيَّتِيهَا (۱۰۳) ﴿۲۱﴾ رُكُوْعَاتُهَا ۱۰

और १० रुकूअ हैं सूरअे ७४ मदीना में नाजिल हुई ७८ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हूँ अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

يَا أَيُّهَا النَّاسُ اتَّقُوا رَبَّكُمُ ۚ إِنَّ زَلْزَلَةَ السَّاعَةِ

अे ई-सानो! तुम अपने रब से डरो. यकीनन क्यामत का जलजला बडी भारी थील है.

شَيْءٌ عَظِيمٌ ﴿۱﴾ يَوْمَ تَرَوْهَا تَدْهَلُ كُلُّ مُرْضِعَةٍ

जिस दिन तुम उस को देखोगे तो हर दूध पिलाने वाली औरत अपने दूध पीते

عَمَّا أَرْضَعَتْ وَتَصْعَعُ كُلُّ دَاتٍ حَمْلٍ حَمْلَهَا

भरये को लूल जायेगी और हर उमल वाली गिरा देगी अपने उमल को

وَتَرَى النَّاسَ سُكَرَىٰ وَمَا هُمْ بِسُكَرَىٰ

और तू ई-सानों को नशे में देखेगा डालांके वो नशे में नहीं होंगे

وَلَكِنَّ عَذَابَ اللَّهِ شَدِيدٌ ﴿۲﴾ وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يُجَادِلُ

लेकिन अल्लाह का अजाब ही सप्त डोगा. और कुछ लोग वो हैं जो जाने

تَبَارَكَ

فِي اللَّهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَيَتَّبِعُ كُلَّ شَيْطَانٍ مَّرِيدٍ ۝

बगैर अल्लाह के बारे में जघडा करते हैं और हर सरकश शयतान के पीछे चलते हैं.

كُتِبَ عَلَيْهِ أَنَّهُ مَنْ تَوَلَّاهُ فَأَنَّهُ يُضِلُّهُ

जिस की निस्बत ये लिख दिया गया है के जो उस से दोस्ती रभेगा तो वो उसे गुमराह कर देगा

وَ يَهْدِيهِ إِلَىٰ عَذَابِ السَّعِيرِ ۝ يَا أَيُّهَا النَّاسُ

और जहन्नम के अजाब की तरफ़ उस की रहनुमाई करेगा. ओ ई-सानो!

إِنْ كُنْتُمْ فِي رَيْبٍ مِّنَ الْبَعْثِ فَإِنَّا خَلَقْنَاكُمْ

अगर तुम शक में हो दोबारा जिन्दा किये जाने की तरफ़ से, तो यकीनन हम ने तुम्हें पेडले पैदा

مِّن تَرَابٍ تَمَّ مِنْ نُّطْفَةٍ تَمَّ مِنْ عَلَقَةٍ تَمَّ

किया मिट्टी से, फिर नुत्फ़े से, फिर जमे हुवे भून से, फिर गोशत के लोथडे से जिस में

مِّن مَّضْغَةٍ مُّخَلَّقَةٍ وَغَيْرِ مُخَلَّقَةٍ لِّنُبَيِّنَ لَكُمْ ۝

सूरत बनाई जाती है और (कभी) सूरत नहीं बनाई जाती, ताके हम तुम्हारे लिये बयान करें.

وَنُقَرِّئُ فِي الْأَرْحَامِ مَا نَشَاءُ إِلَىٰ آجَلٍ مُّسَدَّدٍ

और हम बर्यादानी में ठेहराते हैं जो हम याहते हैं वकते मुकर्ररा तक,

ثُمَّ نُخْرِجُكُمْ طِفْلًا ثُمَّ لِنَبْلُغُوا أَشَدَّكُمْ ۝

फिर हम तुम्हें बर्या बना कर निकालते हैं ताके तुम अपनी जवानी को पछोंयो.

وَمِنْكُمْ مَّن يَتَّقِي وَ مِنْكُمْ مَّن يُرُدُّ

और तुम में से बाज की रुह कब्ज कर ली जाती है और तुम मे से बाज लौटाये जाते हैं

إِلَىٰ أَرْذَلِ الْعُمُرِ لِكَيْلَا يَعْلَمَ مِن بَعْدِ عِلْمٍ شَيْئًا ۝

निकम्भी उम्र की तरफ़ ताके वो बडोत कुछ जानने के बाद कुछ भी न जानें.

وَتَرَى الْأَرْضَ هَامِدَةً فَإِذَا أَنزَلْنَا عَلَيْهَا

और तू जमीन को भुशक देभता है, फिर जब हम उस के उपर पानी बरसाते हैं

الْمَاءِ اهْتَرَّتْ وَرَبَّتْ وَأَنْبَتَتْ مِنْ كُلِّ زَوْجٍ

तो डिलने और उभरने लगती है और हर भुशनुमा जोडे को

بِهَيِّجٍ ۝ ذَلِكَ بِأَنَّ اللَّهَ هُوَ الْحَقُّ وَأَنَّهُ يُحْيِي

उगाती है. ये ईस वजह से के अल्लाह उक है और वही मुर्दों को

الْمَوْتَىٰ وَآتَاهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝ وَأَنَّ السَّاعَةَ

जिन्दा करेगा और वो हर चीज पर कादिर है. और ये के कयामत आने वाली

آتِيَةٌ لَا رَيْبَ فِيهَا ۚ وَأَنَّ اللَّهَ يَبْعَثُ مَنْ

है उस में कोई शक ही नहीं, और ये के अद्लाह जिन्दा कर के उठायेगा उन को भी

فِي الْقُبُورِ ۝ وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يُجَادِلُ فِي اللَّهِ

जो कब्रों में हैं. और लोगों में से वो है जो जघडा करता है अद्लाह के बारे में

بِغَيْرِ عِلْمٍ وَلَا هُدًى وَلَا كِتَابٍ مُّبِينٍ ۝ ثَانِي

जाने बगैर और छिदायत और रोशन किताब के बगैर. अपना पेडलू मोड कर ताके अद्लाह

عُطِفَهُ لِيَضَلَّ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ ۗ لَهُ فِي الدُّنْيَا

के रास्ते से गुमराह कर दे. और उस के लिये दुन्यवी जिन्दागी में

خِزْيٌ ۖ وَنَذِيقُهُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ عَذَابَ الْحَرِيقِ ۝

रुस्वाँ है और उस उसे कयामत के दिन आग का अजाब यभायेगे.

ذَلِكَ بِمَا قَدَّمْتَ يَدَكَ وَأَنَّ اللَّهَ لَيْسَ بِظَلَّامٍ

(कडा जायेगा के) ये उस का बदला है जो तेरे हाथों ने आगे भेजा और ये के अद्लाह बन्दों पर जरा भी

لِّلْعَبِيدِ ۝ وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يُعْبَدُ اللَّهَ

जुल्म नहीं करता. और ई-सानों में से वो शप्स भी है जो अद्लाह की ईबादत करता है

عَلَىٰ حَرْفٍ ۚ فَإِنْ أَصَابَهُ خَيْرٌ اطْمَأَنَّ بِهِ ۚ

किनारे पर. फिर अगर उसे भलाई पडोये तो उस से मुत्मईन हो जाता है.

وَإِنْ أَصَابَتْهُ فِتْنَةٌ انْقَلَبَ عَلَىٰ وَجْهِهِ ۗ خَسِرَ الدُّنْيَا

और अगर उसे आजमाईश पडोये तो मुंड डेर कर पलट जाता है. दुन्या और आभिरत में

وَالْآخِرَةَ ۗ ذَٰلِكَ هُوَ الْحُسْرَانُ الْمُبِينُ ۝ يَدْعُوا

उस ने भसारा उठाया. यही सरीह घाटा है. वो अद्लाह के सिवा पुकारता है

مِن دُونِ اللَّهِ مَا لَا يَضُرُّهُ وَمَا لَا نُنْفَعُهُ ۗ ذَٰلِكَ

ऐसी चीज को जो उसे न जरूर पडोया सकती है और न नफ़ा दे सकती है. यही

هُوَ الضَّلَالُ الْبَعِيدُ ۝ يَدْعُوا لِمَنْ ضُرُّهُ أَقْرَبُ

है परले दरजे की गुमराही. वो पुकारता है उस को जिस का जरूर उस के नफ़े से जयादा

۱
۸

مَنْ نَفَعَهُ ط لِبَسِّ الْمَوْلَىٰ وَلِبَسِّ الْعَشِيرِ ﴿۱۳﴾

کریں ہے۔ اہل بیت کے ساتھ اور اہل بیت کے ساتھ ہے۔ یقیناً اللہ کے ساتھ ہے۔

إِنَّ اللَّهَ يُدْخِلُ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ جَنَّاتٍ

کو اور جو نیک کام کرتے ہیں انہیں جنتوں میں داخل کرے گا

تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ط إِنَّ اللَّهَ يَفْعَلُ

جین کے نیچے سے نہر بہتی ہوگی۔ یقیناً اللہ کرتا ہے وہی جس کا وہ کرنا کرتا ہے۔

مَا يُرِيدُ ﴿۱۴﴾ مَنْ كَانَ يَظُنُّ أَنْ لَنْ يَنْصُرَهُ اللَّهُ

جو یہ سمجھتا ہے کہ اللہ اس کی مدد نہیں کرے گا

فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ فَلْيَمْدُدْ بِسَبَبٍ إِلَى السَّمَاءِ

دنیا اور آخرت میں تو اسے یاد دلاؤ کہ آسمان تک،

ثُمَّ لِيَقْطَعْ فَايُنْظُرْ هَلْ يُدْهِبَنَّ كَيْدَهُ مَا يَغِيظُ ﴿۱۵﴾

پھر اسے کاٹ دے، پھر دیکھو کہ اس کی یہ تدبیر اس کو برباد کر دے گی جو اسے غصا دے گی؟

وَ كَذَلِكَ أَنْزَلْنَاهُ آيَاتٍ بَيِّنَاتٍ ۖ وَأَنَّ اللَّهَ يَهْدِي

اور اسی طرح ہم نے قرآن کو روشن آیتوں بنا کر اتارا، اور یہ کہ اللہ ہدایت دے گا

مَنْ يُرِيدُ ﴿۱۶﴾ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ هَادُوا

وہی کو جسے وہ یاد دلاتا ہے۔ یقیناً وہ لوگ جو ایمان لائے اور جو گمراہ

وَالضَّالِّينَ وَالنَّاصِرِي وَالْجَوْسَ وَالَّذِينَ اشْرَكُوا ۖ

اور سب سے اور ان کے پیروں میں اور جو مشرک ہیں۔

إِنَّ اللَّهَ يَفْصِلُ بَيْنَهُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ط إِنَّ اللَّهَ

یقیناً اللہ ان کے درمیان قیامت کے دن جدا کرے گا۔ یقیناً اللہ

عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدٌ ﴿۱۷﴾ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ يَسْجُدُ

ہر چیز کو ہے۔ کیا آپ نے دیکھا نہیں کہ اللہ کو سجدہ کرتے ہیں

لَهُ مَنْ فِي السَّمَوَاتِ وَمَنْ فِي الْأَرْضِ وَالشَّيْءُ

جو آسمانوں میں ہے اور جو زمین میں ہے اور سب

وَالْقَمَرُ وَالنُّجُومُ وَالْجِبَالُ وَالشَّجَرُ وَالدَّوَابُّ

اور چاند اور ستارے اور پہاڑ اور درخت اور جانور

وَكَثِيرٌ مِّنَ النَّاسِ ۖ وَكَثِيرٌ حَقَّ عَلَيْهِ الْعَذَابُ ۗ

और बहुत से ई-सान भी. और बहुत सों पर अजाब साबित हो युका है.

وَمَنْ يَّهِنِ اللَّهُ فَمَا لَهُ مِنْ مُّكْرِمٍ إِنَّ اللَّهَ يَفْعَلُ

और जिसे अल्लाह रुस्वा कर दे तो उसे कोई ईज्जत दे नहीं सकता. यकीनन अल्लाह करता है

مَا يَشَاءُ ۗ ۝۱۸ هَذِهِ حَصْرَةُ السُّجْدَةِ ۗ هَذِهِ خَصْمِنِ اخْتَصَمُوا فِي رَبِّهِمْ ۗ

वही जो वो यादता है. ये दो मुद्दई हैं जिन्हों ने अपने रब के बारे में जघडा किया.

فَالَّذِينَ كَفَرُوا قُطِّعَتْ لَهُمْ شِيَابٌ مِّن تَارٍ ۗ

किर जो काकिर हैं उन के लिये आग के कपडे काटे जाअंगे.

يُصَبُّ مِنْ فَوْقِ رُءُوسِهِمُ الْحَمِيمُ ۗ ۝۱۹ يُصْهَرُ

उन के सरो के उपर से गर्म पानी ढाला जाअगा. जिस से गल जाअगा जो

بِهِ مَا فِي بُطُونِهِمْ وَالْجُلُودُ ۗ وَلَهُمْ مَقَامِعٌ

उन के पेट में है और ढालें भी. और उन के लिये लोडे के

مِنْ حَدِيدٍ ۗ ۝۲۰ كَلِمًا أَرَادُوا أَنْ يَخْرُجُوا مِنْهَا

गुर्ज तैयार हैं. जब वो जहन्नम से गम के मारे निकलने का ईरादा करंगे तो उन्हें दोबारा

مِنْ غَمٍّ أَعْيَدُوا فِيهَا ۗ وَذُوقُوا عَذَابَ الْحَرِيقِ ۗ ۝۲۱

उस में लौटा दिया जाअगा. और कडा जाअगा के आग का अजाब यभो. यकीनन अल्लाह दामिल करेगा

إِنَّ اللَّهَ يَدْخُلُ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

उन को जो ईमान लाअे और जो नेक काम करते रहे ऐसी जन्नतों में जिन के

جَدَّتْ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ يُحَلَّونَ فِيهَا

नीये से नेडरें बेडती डोंगी, उन में उन्हें सोने के कुंगन पेडनाअे जाअंगे और

مِنْ أَسَاوِرَ مِنْ ذَهَبٍ وَلُؤْلُؤًا ۗ وَلِبَاسُهُمْ فِيهَا

भोती पेडनाअे जाअंगे. और उन का लिबास उन में रेशम का डोगा. और उन्हें डिदायत

حَرِيرٌ ۗ ۝۲۲ وَهَدُوءًا إِلَى الطَّيِّبِ مِنَ الْقَوْلِ ۗ وَهَدُوءًا

दी गई है कलिमात में से सभ से उम्दा कलिमे की (ला ईलाह ईल्लल्लाह की). और उन्हें डिदायत

إِلَى صِرَاطِ الْحَسِيدِ ۗ ۝۲۳ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا

दी गई है काबिले तारीफ अल्लाह के रास्ते की. यकीनन जो काकिर हैं

السُّجْدَةِ ۗ ۲

۲۱ ۹

وَ يَصُدُّونَ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ وَالْمَسْجِدِ الْحَرَامِ

और अल्लाह के रास्ते से और उस मस्जिद हाराम से रोकते हैं जो हम ने तमाम

الَّذِي جَعَلْنَاهُ لِلنَّاسِ سَوَاءً الْعَاكِفُ فِيهِ

लोगों के लिये बनाई है के बराबर है उस में वहां का रहने वाला और

وَالْبَادِي وَمَنْ يُرِدْ فِيهِ بِالْحَادِمِ بِظُلْمٍ نُدِقُهُ

बाहर से आने वाला. और जो उस में शरारत से बेदीनी का धरादा करेगा तो हम उसे

مِنْ عَذَابٍ أَلِيمٍ ۝ وَإِذْ بَوَّأْنَا لِإِبْرَاهِيمَ مَكَانَ

दरनाक अजाब यभाअेंगे. आर जब हम ने धब्राहीम (अलैहिस्सलाम) को तैयार कर के दी

الْبَيْتِ أَنْ لَا تُشْرِكَ بِي شَيْئًا وَطَهَّرَ بَيْتِي

भयतुल्लाह की जगा के मेरे साथ किसी चीज को तुम शरीक न ठेहराओ और मेरे घर को पाक करो

لِلطَّائِفِينَ وَالْقَائِمِينَ وَالرُّكَّعِ السُّجُودِ ۝

तवाइ करने वालों और कियाम और रुकूअ और सजदा करने वालों के लिये.

وَأَذِّنْ فِي النَّاسِ بِالْحَجِّ يَأْتُوكَ رِجَالًا

और आप अैलान कर दीजिये धन्सानों में उज का तो वो आप के पास आअेंगे पैदल

وَعَلَى كُلِّ ضَامِرٍ يَأْتِينَ مِنْ كُلِّ فَجٍّ عَمِيقٍ ۝

और हर दुबली गींटनी पर (सवार हो कर) आअेंगे जो दूर दराज धलाकों से आ रही होंगी.

لِيَشْهَدُوا مَنَافِعَ لَهُمْ وَيَذْكُرُوا اسْمَ اللَّهِ

ताके वो अपने मनाइअ के लिये डाजिर हो जअें और अल्लाह का नाम लें

فِي أَيَّامٍ مَعْلُومَاتٍ عَلَىٰ مَا رَزَقَهُمْ مِّنْ بَهِيمَةٍ

मभ्सूस दिनों में उन थौपाओं पर जो अल्लाह ने उनहें रोजी के तौर पर

الْأَنْعَامِ فَكُلُوا مِنْهَا وَأَطِعُوا الْبَاسِ الْفَقِيرَ ۝

दिये हैं. तो तुम उस से भाओ और मोडताज इकीर को भिलाओ.

ثُمَّ لِيَقْضُوا تَفَثَهُمْ وَلِيُوفُوا نُدُورَهُمْ وَلِيَطَّوَّفُوا

इर उनहें याडिये के अपना मैल कुथैल दूर करें और अपनी नजरें पूरी करें और पुराने

بِالْبَيْتِ الْعَتِيقِ ۝ ذَلِكَ ۝ وَمَنْ يُعْظِمْ حُرْمَتِ

घर का वो तवाइ करें. ये डुकम तो है. और जो अल्लाह की धजगत दी दुई चीजों की

۱۷۳-

اللَّهُ فَهُوَ خَيْرٌ لَّهُ عِنْدَ رَبِّهِ ۖ وَ أُحِلَّتْ لَكُمْ

ताजीम करेगा तो ये उस के लिये बेहतर है उस के रब के नजदीक. और तुम्हारे लिये थोपाये

الْأَنْعَامُ إِلَّا مَا يُتْلَى عَلَيْكُمْ فَاجْتَنِبُوا الرِّجْسَ

उलाल किये गये हैं मगर वो जो तुम पर तिलावत किये जाते हैं, इस लिये तुम भुतों की

مِنَ الْأَوْثَانِ وَاجْتَنِبُوا قَوْلَ الزُّورِ ۗ حُنْفَاءُ

गन्दगी से बयो और जूठ बोलने से बयो. अक अल्लाह के डो कर रडो,

لِلَّهِ غَيْرَ مُشْرِكِينَ بِهِ ۗ وَمَنْ يُشْرِكْ بِاللَّهِ

उस के साथ शरीक न करने वाले बनो. और जो अल्लाह के साथ शरीक ठेडरायेगा तो गोया

فَكَانَ مَخْرَجًا مِنَ السَّمَاءِ فَتَخَظَفُ الطَّيْرُ

वो आस्मान से गिरा, फिर उसे परिन्दे उयक ले जाते हैं

أَوْ تَهْوَىٰ بِهِ الرِّيحُ فِي مَكَانٍ سَحِيقٍ ۗ ذَلِكَ

या तुझनी उवा किसी दूर जगा में उसे डैंक रडी है. ये हुकम तो है.

وَمَنْ يُعْظِمِ شَعَائِرَ اللَّهِ فَإِنَّهَا مِن تَقْوَى الْقُلُوبِ ۗ

और जो अल्लाह की तरफ से मिले अइआले उज की ताजीम करेगा तो यकीनन ये दिलों के तकवे से है.

لَكُمْ فِيهَا مَنَافِعُ إِلَىٰ أَجَلٍ مُّسَمًّى ثُمَّ مَحِلُّهَا

तुम्हारे लिये इन थोपाओं मे अक वकते मुकरर तक नइ उठाना है, फिर उन के जभड की जगा

إِلَى الْبَيْتِ الْعَتِيقِ ۗ وَلِكُلِّ أُمَّةٍ جَعَلْنَا مَنْسَكًا

पुराने घर के पास है. और हर उम्मत के लिये उम ने कुर्बानी का अक तरीका बनाया है

لِيَذْكُرُوا اسْمَ اللَّهِ عَلَىٰ مَا رَزَقَهُمْ مِّنْ بَهِيمَةٍ

ताके वो अल्लाह का नाम लें उन थोपाओं पर जो अल्लाह ने उनहें पाने के लिये दिये. फिर तुम्हारा माभूद

الْأَنْعَامِ ۗ فَالَهُمْ إِلَهُ وَوَاحِدٌ فَلَهُ أَسْلِمُوط

यकता माभूद है, तो तुम उसी के इरमांवरदार बनो. और आप

وَبَشِّرِ الْخَبِيثِينَ ۗ الَّذِينَ إِذَا ذُكِرَ اللَّهُ

बशारत सुना दीजिये उन आजिजी करने वालों को, के जभ अल्लाह का जिक्र किया जाता है

وَجِلَتْ قُلُوبُهُمْ وَالصَّابِرِينَ عَلَىٰ مَا أَصَابَهُمْ

तो उन के दिल डर जाते हैं और मसाईब पर सभ्र करने वालों को और नमाज काईम करने वालों को.

۴
۱۱

وَالْمُقِيمِي الصَّلَاةِ ۚ وَمِمَّا رَزَقْنَاهُمْ يُنْفِقُونَ ﴿۲۵﴾

और उन चीजों में से जो हम ने उन्हें रोजी के तौर पर दी वो खर्च करते हैं।

وَالْبُدْنَ جَعَلْنَاهَا لَكُمْ مِّنْ شَعَائِرِ اللَّهِ لَكُمْ

और उदी के जानवरों को हम ने तुम्हारे लिये अल्लाह के शआँर में से बनाया है, तुम्हारे लिये

فِيهَا خَيْرٌ ۗ فَأذْكُرُوا اسْمَ اللَّهِ عَلَيْهَا صَوَافٍ ۚ

उन में मलाई है। फिर तुम उन पर अल्लाह का नाम लो उन को भडा कर के।

فَإِذَا وَجَبَتْ جُنُوبُهَا فَكُلُوا مِنْهَا وَأَطِعُوا

फिर जब उन के पेटलू अभीन पर गिर पड़ें तो तुम उन में से खाओ और तुम न माँगने वालों

الْقَانِعَ وَالْمُعْتَرَّ ۗ كَذَلِكَ سَخَّرْنَاهَا لَكُمْ

और माँगने वालों को भिलाओ। इसी तरह हम ने मुसम्बर किया है उन जानवरों को तुम्हारे लिये

لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿۲۶﴾ لَنْ يَنَالَ اللَّهُ لُحُومُهَا

ताके तुम शुक अदा करो। अल्लाह को न उन का गोशत हरगिज पछोंयता है न भून, लेकिन

وَلَا دِمَآؤُهَا ۗ وَلَكِنْ يَنَالُهُ التَّقْوَىٰ مِنْكُمْ ۗ

अल्लाह को तुम्हारा तक्वा पछोंयता है। इसी तरह

كَذَلِكَ سَخَّرَهَا لَكُمْ لِتُكَبِّرُوا اللَّهَ عَلَىٰ

हम ने उन जानवरों पर तुम्हें काबू दिया ताके तुम अल्लाह की भडाई भयान करो उस पर

مَا هَدَرْتُمْ ۗ وَبَشِّرِ الْبُحْسِنِينَ ﴿۲۷﴾ إِنَّ اللَّهَ يُدْفِعُ

के अल्लाह ने तुम्हें डिहायत दी। और भशारत सुना दीजिये नेकी करने वालों को। यकीनन अल्लाह ईमान

عَنِ الَّذِينَ آمَنُوا ۗ إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ كُلَّ خَوَّانٍ

वालों की तरफ से मुदाइअत करता है। यकीनन अल्लाह हर भयानत करने वाले नाशुकरे से मउब्मत

كُفُورًا ﴿۲۸﴾ اذِّنْ لِلَّذِينَ يُفْتَنُونَ بِأَنَّهُمْ ظُلُمَآءٌ

नहीं करता। उन लोगों के लिये जिन से किताल किया जाता है उन को ईजाजत दी गई है इस वजह से के वो

وَإِنَّ اللَّهَ عَلَىٰ نَصْرِهِمْ لَقَدِيرٌ ﴿۲۹﴾ اِلَّذِينَ

मउलूम हैं। और ये के यकीनन अल्लाह उन की नुस्रत पर कुदरत रभने वाला है। उन लोगों की जिन्हें

أُخْرِجُوا مِنْ دِيَارِهِمْ بِغَيْرِ حَقِّ إِلَّا أَنْ يَقُولُوا

अपने घरों से नाउक निकाल दिया गया सिई इस लिये के उन्हों ने कडा के उमारा रभ अल्लाह है।

رَبَّنَا اللَّهُ ۖ وَلَوْلَا دَفَعُ اللَّهُ النَّاسَ بَعْضَهُمْ

और अगर अल्लाह का ध-सानों को उन में से अक को दूसरे के जरिये दफ़ा करना न होता तो

بِبَعْضٍ لَّهُدِمَتْ صَوَامِعُ وَبِيعُ وَصَلَوَاتُ

अलभता मुनखटिम कर दी जाती राडिओं की भलवतगाहें और नसारा की धभाहतगाहें और यलूदियों की

وَ مَسْجِدُ يُذَكَّرُ فِيهَا اسْمُ اللَّهِ كَثِيرًا ۖ

धभाहतगाहें और वो मस्जिदें जिन में अल्लाह का नाम भडोत जयादा लिया जाता है.

وَ لَيَنْصُرَنَّ اللَّهُ مَنْ يَنْصُرُهُ ۖ إِنَّ اللَّهَ لَقَوِيٌّ

और जरूर अल्लाह उस की नुस्रत करेगा जो अल्लाह की नुस्रत करेगा. यकीनन अल्लाह कुव्वत वाला,

عَزِيزٌ ﴿۳۰﴾ الَّذِينَ إِنْ مَكَّنَّهُمْ فِي الْأَرْضِ

धजजत वाला है. वो लोग जैसे हैं के अगर डम उन-हें जमीन में डुकूमत दें तो वो

أَقَامُوا الصَّلَاةَ وَآتَوُا الزَّكَاةَ وَأَمَرُوا

नमाज काधम करें और जकत दें और अन्न भिल माडूँ और नडी अनिल् मुन्कर करें.

بِالْمَعْرُوفِ وَنَهَوْا عَنِ الْمُنْكَرِ ۗ وَاللَّهُ عَاقِبَةُ

और अल्लाह के धभितयार में तमाम डमूर का अन्जाम है.

الْأُمُورِ ﴿۳۱﴾ وَإِنْ يُكَذِّبُوكَ فَقَدْ كَذَّبَتْ

और अगर वो आप को जुठलाअें तो यकीनन उन से डेडले कौमे नूड

قَبْلَهُمْ قَوْمُ نُوحٍ وَعَادٌ وَشُعُوبٌ ۗ وَقَوْمٌ

और कौमे आद और कौमे समूह और धब्राडीम (अलैडिस्सलाम) की कौम और कौमे लूत

إِبْرَاهِيمَ ۗ وَقَوْمُ لُوطٍ ۗ وَأَصْحَابُ مَدْيَنَ ۗ وَكَذَّبَ

और मद्यन वाले भी जुठला चुके हैं. और मूसा (अलैडिस्सलाम) की तकजीभ की गध, डिर में ने काडिरो को

مُوسَىٰ فَأَمَلَيْتُ لِلْكَافِرِينَ ثُمَّ أَخَذْتُهُمْ ۗ

मोडलत दी, डिर में ने उन-हें डकड लिया. डिर मेरी

فَكَيْفَ كَانَ نَكِيرِ ﴿۳۲﴾ فَكَأَيِّنْ مِنْ قَرْيَةٍ

डकड कैसी रडी? डिर भडोत सी भस्तियां हैं जिन को डम ने डलाक डिया

أَهْلَكْنَاهَا وَهِيَ ظَالِمَةٌ ۗ فَهِيَ خَاوِيَةٌ عَلَىٰ

धस डाल में के वो जालिम थी, डिर अब वो अपनी धतों डर और डेकार

عُرُوشِهَازِ وَبِئْرٍ مُّعْظَلَةٍ وَقَصْرِ مَشِيدٍ ﴿۳۶﴾

پڑے کُؤے پر اور اُتے پکے مہل پر گیری پڑی ہے۔

أَفَلَمْ يَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ فَتَكُونَ لَهُمْ قُلُوبٌ

کھا کیر وہ اُتہن مے یتے کیرے نہی کے اُن کے پاس دہل اہتے

يَعْقِلُونَ بِهَا أَوْ آذَانٌ يَسْمَعُونَ بِهَا فَآتِنَا

جہن سے وہ سمجھتے یا کان اہتے جہن سے وہ سنہتے؟ اِس دہتے کے آہہے ا-نہی

لَا تَعْمَى الْأَبْصَارُ وَلَكِنْ تَعْمَى الْقُلُوبُ الَّتِي

نہی اُوا کرتی، لہکن وہ دہل ا-نہی اہ جہا کرتے ہے جہ

فِي الصُّدُورِ ﴿۳۷﴾ وَيَسْتَعْجِلُونَكَ بِالْعَذَابِ

سہنوں مے ہے۔ اور یہ آپ سے اجاتہ جلدی تہہہ کر رہے ہے

وَلَنْ يُخْلِفَ اللَّهُ وَعْدَهُ وَإِنَّ يَوْمًا عِنْدَ

اور اہلہاہ اپنے وادے کے ہلہاہ اہرگہا نہی کرےگا۔ اور ہکی-نن اہک دہن تہرے رہ

رَبِّكَ كَأَلْفِ سَنَةٍ مِّمَّا تَعُدُّونَ ﴿۳۸﴾ وَكَآيِنٌ

کے ہہاں کا تہہہاری گہنہی کے اہتہہار سے اہک اہار سال کے ہراہر ہے۔ اور کہتنہی

مِّنْ قَرِيْبَةٍ أَمَلَيْتُ لَهَا وَهِيَ ظَالِمَةٌ لِّنَفْسِهَا

ہسہتہاں ہے جہن کو مے نے مہہلہت دہ اور وہ اہلہم تہی، کیر مے نے

أَخَذَتْهَا وَالْمَآءَ الْبَصِيْرُ ﴿۳۹﴾ قُلْ يَا أَيُّهَا

اُن کو پکس دہا۔ اور مہری ترہہ لہوتنا ہے۔ آپ کسما دہجہتے اہ لوگو!

النَّاسِ إِنَّمَا أَنَا لَكُمْ نَذِيرٌ مُّبِينٌ ﴿۴۰﴾ فَالَّذِينَ

مے تو سہک تہہہارے دہتے ساہ ساہ اہانے وادا اُ۔ کیر جہ اہمان لاهے

آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ وَرِزْقٌ

اور نہک اہہل کرتے رہے اُن کے دہتے مگاکسرت ہے اور اہاتہت وادہی رہہی ہے۔

كَرِيمٌ ﴿۴۱﴾ وَالَّذِينَ سَعَوْا فِي آيَاتِنَا مُعْجِرِينَ

اور جہ اہماری آہتوں کے ہارے مے کہشہہ کرےگے مہکاہلہا کرنے کہی

أُولَئِكَ أَصْحَابُ الْجَحِيمِ ﴿۴۲﴾ وَمَا أَرْسَلْنَا مِنْ

تو یہ دہہہہی ہے۔ اور اہم نے آپ سے پہہلے کہہہ رسول اور نہہی نہی

قَبْلِكَ مِنْ رَسُولٍ وَلَا نَبِيٍّ إِلَّا إِذَا تَمَنَّى أَلْقَى

मेजे मगर जब उन्हों ने किराअत की तो शयतान ने उन की किराअत में

الشَّيْطَانُ فِي أُمْنِيَّتِهِ ۚ فَيَنسُخُ اللَّهُ مَا يُلْقَى

(भलल) ढाला. फिर अल्लाह मन्सूख कर देता है शयतान के ढाले हुवे को

الشَّيْطَانُ ثُمَّ يُحْكُمُ اللَّهُ آيَتِهِ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ

और अपनी आयतों को मुहकम रभता है. और अल्लाह ँल्म वाले, छिकमत वाले हैं.

حَكِيمٌ ﴿۵۱﴾ لِيَجْعَلَ مَا يُلْقَى الشَّيْطَانُ فِتْنَةً

ताके अल्लाह शयतान के ढाले हुवे को आजाभाईश बनाअें उन के लिये जिन के हिलों

لِلَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمْ مَرَضٌ وَالْقَاسِيَةِ قُلُوبُهُمْ ۗ

में भीमारी है और उन के लिये जिन के हिल सप्त हैं. और यकीनन ये आलिम

وَإِنَّ الظَّالِمِينَ لَفِي شِقَاقٍ بَعِيدٍ ﴿۵۲﴾ وَلِيَعْلَمَ

अलभता लम्बी मुभालईत में हैं. और ताके वो लोग जिन को

الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ أَنَّهُ الْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ

ँल्म दिया गया वो जान लें के ये उक है आप के रभ की तरई से,

فَيُؤْمِنُوا بِهِ فَتُخْبِتَ لَهُ قُلُوبُهُمْ ۗ وَإِنَّ اللَّهَ

फिर वो उस पर ँमान लाअें, फिर उन के हिल उस के सामने जुक जाअें. और यकीनन अल्लाह

لَهَادِ الَّذِينَ آمَنُوا إِلَىٰ صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۵۳﴾

उरुर सीधी राह की छिदायत देगा उन लोगों को जो ँमान लाअें.

وَلَا يَزَالُ الَّذِينَ كَفَرُوا فِي مَرِيَةٍ مِّنْهُ

और काफिर तो उस की तरई से उमेशा शक ही में रहेंगे

حَتَّىٰ تَأْتِيَهُمُ السَّاعَةُ بَغْتَةً ۖ أَوْ يَأْتِيَهُمْ عَذَابٌ

यहां तक के कयामत अचानक आ जाअे या उन के पास मन्धूस दिन

يَوْمٍ عَقِيمٍ ﴿۵۴﴾ أَلَمْ يَكُ يَوْمَئِذٍ لِّلَّهِ ۗ يَحْكُمُ

का अजाभ आ जाअे. सलतनत उस दिन अल्लाह के लिये ही छोगी. अल्लाह उन के हरभियान

بَيْنَهُمْ ۗ فَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فِي

ईसला करेगा. फिर जो ँमान लाअे और नेक अमल करते रहे वो

جَنَّتِ النَّعِيمَ ﴿۵۱﴾ وَالَّذِينَ كَفَرُوا وَكَذَّبُوا بِآيَاتِنَا

جَنَّاতে نہیں آئے۔ اور جو کافر ہیں، جینوں نے ہمارے آیتوں کو جھٹلایا

فَأُولَٰئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ مُّهِينٌ ﴿۵۲﴾ وَالَّذِينَ

وہ ان کے لیے سزا کرنے والا عذاب ہوگا۔ اور جینوں نے

هَاجَرُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ ثُمَّ قَتَلُوا أَوْ مَاتُوا

ہجرت کی اذکار کے راستے میں، کفر کو کھینچ لیا یا اپنی موت مر گئے

لَيَرْزُقَنَّهُمُ اللَّهُ رِزْقًا حَسَنًا وَإِنَّ اللَّهَ لَهُوَ

تو ان کے لیے اللہ اچھے سے روزی دے گا۔ اور یقیناً اللہ بے حد

خَيْرُ الرَّازِقِينَ ﴿۵۳﴾ لِيَدْخُلَهُمْ مَدْخَلًا يُرْضَوْنَهُ

روزی دینے والا ہے۔ اللہ ان کے لیے داخل کرے گا جیسا کہ وہ پسند کریں گے۔

وَإِنَّ اللَّهَ لَعَلِيمٌ حَلِيمٌ ﴿۵۴﴾ ذَلِكَ ؕ وَمَنْ

اور یقیناً اللہ بے حد علم والا، بے حد رحم والا ہے۔ یہ تو سچا ہے۔ اور جو بھلا ہے

عَاقِبَ بِسْئَلٍ مَّا عُوِّقَ بِهِ ثُمَّ بُغِيَ عَلَيْهِ

وہی کفر جو اسے سبوتا گیا تھا، کفر اس پر جبراً کی گئی تو اللہ ان کے لیے نافرمان

لَيَنْصُرَنَّهُ اللَّهُ ؕ إِنَّ اللَّهَ لَعَفُؤٌ غَفُورٌ ﴿۵۵﴾ ذَلِكَ

کریگا۔ یقیناً اللہ بڑا بخشنے والا، بخشنے والا ہے۔ یہ اس وقت سے

بِأَنَّ اللَّهَ يُوَلِّجُ اللَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَيُوَلِّجُ النَّهَارَ

کہ اللہ رات کو دن میں ڈال دیتا ہے اور دن کو رات میں ڈال دیتا ہے اور یہ

فِي اللَّيْلِ وَأَنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ بَصِيرٌ ﴿۵۶﴾ ذَلِكَ بِأَنَّ

کہ اللہ سنانے والا، دیکھنے والا ہے۔ یہ اس وقت سے کہ اللہ سب کو

اللَّهُ هُوَ الْحَقُّ وَأَنَّ مَا يَدْعُونَ مِنْ دُونِهِ هُوَ

ہے اور یہ کہ اللہ کے سوا جس کو یہ کافر پکارتے ہیں وہ سب

الْبَاطِلُ وَأَنَّ اللَّهَ هُوَ الْعَلِيُّ الْكَبِيرُ ﴿۵۷﴾

ہے اور یہ کہ اللہ سب سے اونچا ہے، بڑا ہے۔ کیا آپ نے دیکھا

أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ أَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَتُصْبِحُ

نہی کے لیے اللہ نے آسمان سے پانی اتارا؟ کفر انہی کے لیے

الْأَرْضُ مُخَضَّرَةٌ ۝ إِنَّ اللَّهَ لَطِيفٌ خَبِيرٌ ۝ لَهٗ

ہو گا۔ یقیناً اللہ اللطیف وخبیر ہے، باخبر ہے۔ اس کی مصلحت ہے

مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ ۝ وَاِنَّ اللّٰهَ لَهٗو

وہو تمہاری آسمانوں میں ہے اور جو زمین میں ہے۔ اور یہ کہ اللہ اللطیف وخبیر ہے

الْغَنٰی الْحَمِيْدُ ۝ اَلَمْ تَرَ اَنَّ اللّٰهَ سَخَّرَ لَكُمْ

ہے، کابھی تو تیری ہے۔ کیا آپ نے دیکھا نہیں کہ اللہ نے تمہارے تابع بنا کر دی

مَا فِي الْاَرْضِ وَالْفُلْكَ تَجْرِي فِي الْبَحْرِ بِاَمْرِهٖ ۝

وہو زمین اور فلك جو سمندر میں اللہ کے حکم سے

وَ يُسَبِّحُ السَّمٰوٰتِ اَنْ تَقَعَّ عَلٰی الْاَرْضِ

اور اللہ آسمان کو تھامے ہوئے ہے اس سے کہ وہ زمین پر گرا جائے مگر

اِلَّا بِاِذْنِهٖ ۝ اِنَّ اللّٰهَ بِالنَّاسِ لَرَءُوْفٌ رَّحِيْمٌ ۝

اللہ کے حکم سے (ایک دن گرا جائے گا)۔ یقیناً اللہ انسانوں پر بخشنے والا مہربان ہے،

وَهُوَ الَّذِيْ اَحْيَاكُمْ ثُمَّ يُمِيْتُكُمْ ثُمَّ يُحْيِيْكُمْ ۝

موت دیتا ہے۔ اور وہی اللہ ہے جس نے تمہیں زندہ کیا۔ پھر وہ تمہیں موت دے گا،

اِنَّ الْاِنْسَانَ لَكَفُوْرٌ ۝ لِكُلِّ اُمَّةٍ جَعَلْنَا

پھر تمہیں کافروں میں سے ہے۔ ہر امت کے لیے ہم نے ایک نبی بنا دیا

مَنْسَكًا هُمْ نَاسِكُوْهُ فَلَا يُنَازِعُكَ فِي الْاَمْرِ

کا طریقہ مقرر کیا ہے جس کے متعلق وہ جھگڑا نہ کرے اس

وَادْعُ اِلٰی رَبِّكَ ۝ اِنَّكَ لَعَلٰی هُدٰی مُسْتَقِيْمٌ ۝

مؤمنان میں اور اپنے رب کی طرف بلاتے رہو۔ یقیناً آپ سچے اور سیدھے راستے پر ہیں۔

وَ اِنْ جَدَلُوْكَ فَقُلِ اللّٰهُ اَعْلَمُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ ۝

اور اگر وہ آپ سے جھگڑا کرے تو آپ کہہ دیجیے کہ اللہ تمہارے اعمال کا جاننے والا ہے۔

اللّٰهُ يَحْكُمُ بَيْنَكُمْ يَوْمَ الْقِيٰمَةِ فَاِمَّا كُنْتُمْ فِيْهِ

اللہ تمہارے درمیان کا فیصلہ کرے گا جس میں تم جھگڑا کر رہے ہو

تَخْتَلِفُوْنَ ۝ اَلَمْ تَعْلَمْ اَنَّ اللّٰهَ يَعْلَمُ مَا فِي

ہو رہے ہو۔ کیا تو نے نہیں سیکھا کہ اللہ اللطیف وخبیر ہے وہی اللہ

السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ ۖ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَكِتَابٌ

आस्मान और जमीन में हैं? भेशक ये सभ कुछ लखे मलकूज में छे.

إِنَّ ذَلِكَ عَلَى اللَّهِ يَسِيرٌ ۝ وَيَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ

यकीनन ये अल्लाह पर आसान छे. और ये अल्लाह के सिवा धुआहत करते छे

اللَّهِ مَا لَمْ يُنَزَّلْ بِهِ سُلْطَانًا وَمَا لَيْسَ لَهُمْ

ऐसी चीज की जिस पर अल्लाह ने कोई हुज्जत नहीं उतारी और उन के पास उस की कोई दलील

بِهِ عِلْمٌ وَمَا لِلظَّالِمِينَ مِنْ تَصِيرٍ ۝ وَإِذَا تَتَلَّى

भी नहीं. और उन जालिमों का कोई मददगार नहीं होगा. और जब उन पर हमारी साफ़ साफ़

عَلَيْهِمْ آيَاتُنَا بَيِّنَاتٍ تَعْرِفُ فِي وُجُوهِ الَّذِينَ

आयतें तिलावत की जाती हैं तो आप काफ़िरों के चेहरों में ध-कार

كَفَرُوا الْمُنْكَرَ يَكَادُونَ يَسْطُونَ بِالَّذِينَ

दुख सकोगे. करीब छे के ये हमला कर हें उन पर जो उन पर हमारी आयतें

يَتْلُونَ عَلَيْهِمْ آيَاتُنَا قُلْ أَفَأَنْبِيءَكُمْ بِشَرِّ

तिलावत करते हैं. आप इरमा दीजिये क्या मैं तुम्हें इस से बुरी चीज की खबर हूँ?

مَنْ ذَلِكُمْ النَّارُ وَعَدَهَا اللَّهُ الَّذِينَ كَفَرُوا ۖ

वो दोज़ाह छे, जिस का अल्लाह ने काफ़िरों से वादा किया छे.

وَبِئْسَ الْبَصِيرُ ۝ يَا أَيُّهَا النَّاسُ ضُرِبَ مَثَلٌ

और वो बुरी जगा छे. ओ ध-सानो! अक मिसाल ख्यान की गछ छे,

فَأَسْتَبِعُوا لَهُ ۖ إِنَّ الَّذِينَ تَدْعُونَ مِنْ دُونِ

तुम उस को गौर से सुनो. यकीनन वो जिन को तुम अल्लाह के अलावा पुकारते हो वो अक मज्जी

اللَّهِ لَنْ يَخْلُقُوا ذُبَابًا وَلَوْ اجْتَمَعُوا لَهُ ۖ

भी उरगीज पैदा नहीं कर सकते अगरये वो सभ उस के लिये एकट्टे हो जायें.

وَإِنْ يَسْأَلُهُمُ الدُّبَابُ شَيْئًا لَّا يَسْتَنْقِذُوهُ

और अगर उन से मज्जी कोई चीज छीन कर ले जायें तो मज्जी से वो चीज ये छुडा नहीं

مِنْهُ ۖ ضَعُفَ الطَّالِبُ وَالْمَطْلُوبُ ۝ مَا قَدَرُوا

सकते. तालिख भी कमजोर और मतलूख भी. अल्लाह की उनहों ने कहर

اللَّهُ حَقٌّ قَدْرُهُ ۖ إِنَّ اللَّهَ لَقَوِيٌّ عَزِيزٌ ﴿۴۶﴾ اللَّهُ

नहीं की जैसा के अल्लाह की कहर का डक है. यकीनन अल्लाह कुव्वत वाला, धज्जत वाला है.

يَصْطَفِي مِنَ الْمَلَائِكَةِ رُسُلًا وَمِنَ النَّاسِ ۗ

अल्लाह मुन्तअब करता है इरिशतों में से और ध-सानों में से पैगाम पढोंयाने वाले.

إِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ ۗ بَصِيرٌ ﴿۴۷﴾ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ

यकीनन अल्लाह सुनने वाला, हेभने वाला है. अल्लाह जानता है वो थीरों जो उन के आगे और

وَمَا خَلْفَهُمْ ۗ وَإِلَى اللَّهِ تُرْجَعُ الْأُمُورُ ﴿۴۸﴾

उन के पीछे हैं. और अल्लाह ही की तरफ तमाम उमूर लौटाये जायेंगे.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا ارْكَعُوا وَاسْجُدُوا وَعَبُدُوا

ओ धमान वालो! रुकूअ करो और सजदा करो और धबादत करो अपने रब की और

رَبِّكُمْ وَأَفْعَلُوا الْخَيْرَ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ﴿۴۹﴾ وَجَاهِدُوا

नेकी के काम करो ताके तुम इलाह पाओ. और मुजहदद करो

فِي اللَّهِ حَقٌّ جِهَادُهُ ۗ هُوَ اجْتَبَاكُمْ وَمَا جَعَلَ

अल्लाह के रास्ते में जैसा उस में मेहनत का डक है. उस ने तुम्हें मुन्तअब किया और उस ने

عَلَيْكُمْ فِي الدِّينِ مِنْ حَرْجٍ ۗ مَلَّةً أَبِيكُمْ

दीन में तुम पर कोध तंगी नहीं रभी. तुम अपने बाप धब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की मिल्लत का

إِبْرَاهِيمَ ۗ هُوَ سَمَّكُمُ الْمُسْلِمِينَ ۗ مِنْ قَبْلُ

धत्तिबा करो. उसी अल्लाह ने तुम्हारा नाम मुसलमान रभा है धस से पेडले

وَفِي هَذَا لِيَكُونَ الرَّسُولُ شَهِيدًا عَلَيْكُمْ

और धस कुर्आन में भी ताके रसूल तुम पर गवाड रहें और

وَ تَكُونُوا شُهَدَاءَ عَلَى النَّاسِ ۗ فَأَقِيمُوا

तुम गवाड रहो लोगों पर. और नमाज काधम करो और जकात दो और

الصَّلَاةَ وَآتُوا الزَّكَاةَ وَاعْتَصِمُوا بِاللَّهِ هُوَ

अल्लाह की रस्सी मजभूत थाभे रहो. वो तुम्हारा मालिक है. फिर वो कितना

مَوْلَاكُمْ ۗ فَنِعْمَ الْمَوْلَىٰ وَنِعْمَ النَّصِيرُ ﴿۵۰﴾

अरध्दा मालिक है, और कितना अरध्दा मददगार है.

السُّجْدَةُ عِنْدَ الْإِيمَانِ الشَّاعِرُ مُحَمَّدٌ ﷺ

۲ (۲۰)